5 खूब मजे हैं मौसम के

खूब मजे हैं मौसम के तो
जो जी चाहे कर सकता है।
जी चाहे तो सरदी लाकर
कुल्फी खूब जमा सकता है।

जी चाहे तो वर्षा लाकर,
फसलें खूब उगा सकता है।
जी चाहे तो गरमी लाकर,
छुट्टी खूब मना सकता है।

जी चाहे तो फूल खिलाकर
धरती खूब सजा सकता है।
जी चाहे तो पतझड़ लाकर,
खड़-खड़ राग सुना सकता है।

शब्दार्थ

पतझड़ – वह मौसम जिसमें पेड़ों के पत्ते झड़ जाते हैं।

अभ्यास

1. आइए बातचीत करें -

(क) आप अपनी मर्जी से क्या-क्या करना चाहते हैं, लेकिन कर नहीं सकते ?

.....

(ख) आपको कौन-सा मौसम अच्छा लगता है और क्यों ?

.....

(ग) अपने घर को सजाने के लिए आप क्या करते हैं?

.....

2. अपनी समझ से बताएँ-

(क) मौसम अपनी मर्जी से क्या-क्या कर सकता है ?

.....

(ख) वर्षा लाकर मौसम क्या-क्या काम कर सकता है? किन्हीं चार कामों के बारे में लिखें।

.....

(ग) अभी कौन-सा मौसम है? इससे पहले कौन-सा मौसम था और आगे कौन-सा मौसम आनेवाला है ?

.....

3. पाठ से बताएँ -

(क) मौसम धरती को कैसे-कैसे सजाता है?

.....

(ख) किस मौसम में सबसे अधिक दिनों तक लगातार छुट्टी होती है ?

.....

(ग) किस मौसम में फसलें खूब उगती हैं और पेड़-पौधों पर हरियाली छा जाती है ?

.....

4. **मिलते - जुलते अर्थों वाले शब्दों को मिलाइए-**

धरती	फूल
ग्रीष्म	जमीन
पुष्प	जाड़ा
सर्दी	खूब
ज्यादा	बादल
घटा	गर्मी

5. **(क) किस मौसम में क्या-क्या उगता है ?**

	गर्मी में	**सर्दी में**
फसल		
सब्जी		
फल		

(ख) किस मौसम में कौन-सा रोग फैलता है ?

गर्मी में	सर्दी में	वर्षा में
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

6. **किस मौसम में क्या-क्या ?**

	अच्छा लगता है	अच्छा नहीं लगता है
गर्मी में	.....	.....
सर्दी में	.....	.....
वर्षा में	.....	.....

7. **समझकर लिखिए -**

सूखे पत्ते करते	**खड़-खड़**
नदियाँ करतीं	.....
झरने करते	.....
हवा करती	.....